Class Notes

Class: १ १वीं	Topic: "घर की याद" -भवानीप्रसाद मिश्र
Subject: हिन्दी	

'घर की याद'

(अर्थग्रहण के प्रश्नोत्तर)

(1)आज पानी गिर रहा है,
बहुत पानी गिर रहा है,
रात भर गिरता रहा है,
प्राण-मन घिरता रहा है,
बहुत पानी गिर रहा हैं,
घर नजर में तिर रहा है,
घर कि मुझसे दूर है जो,
घर खुशी का पूर हैं जो,

घर कि घर में चार भाई,
मायके में बहिन आई,
बहिन आई बाप के घर,
हाय रे परिताप के घर।
घर कि घर में सब जुड़े हैं,
सब कि इतने कब जुड़े हैं,
चार भाई चार बहिनें,
भुजा भाई प्यार बहिनें,

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न-

1. 'पानी गिरने' से कवि क्या कहना चाहता है?
2. बरसात से कवि के हृदय पर क्या प्रभाव हुआ?
3. 'भुजा भाई प्यार बहिनें' का आशय स्पष्ट कीजिए।
4. मायके में आई बहन को क्या कष्ट हुआ होगा?

उत्तर–

1. कवि ने पानी गिरने के दो अर्थ दिए हैं। पहले अर्थ में यहाँ वर्षा हो रही है। दूसरे अर्थ में, बरसात को देखकर कवि को घर की याद आती है तथा इस कारण उसकी आँखों से आँसू बहने लगे हैं।
2. बरसात के कारण कवि को अपने घर की याद आ गई। वह स्मृतियों में खो गया। जेल में वह अकेलेपन के कारण दुखी है। वह भावुक होकर रोने लगा।
3. कवि ने भाइयों को भुजाओं के समान कर्मशील व बलिष्ठ बताया है। वे एक-दूसरे के गरीबी व सहयोगी हैं। उसकी बहनें स्नेह का भंडार हैं।
4. सावन के महीने में ससुराल से बहन मायके आई। वहाँ सबको देखकर वह खुश होती है, परंतु एक भाई के जेल में होने के कारण वह दुखी भी है।

(2)और माँ बिन-पढ़ी मेरी,
दु:ख में वह गढ़ी मेरी
माँ कि जिसकी गोद में सिर,

पिता जी जिनको बुढ़ापा,
एक क्षण भी नहीं व्यापा,
जो अभी भी दौड़ जाएँ

रख लिया तो दुख नहीं फिर,
माँ कि जिसकी स्नेह-धारा,
का यहाँ तक भी पसारा,
उसे लिखना नहीं आता,
जो कि उसका पत्र पाता।

जो अभी भी खिलखिलाएँ,
मौत के आगे न हिचकें,
शेर के आगे न बिचकें,
बोल में बादल गरजता,
काम में झंझा लरजता,

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न-

1. माँ के बारे में कवि क्या बताता है?
2. कवि को माँ का पत्र क्यों नहीं मिल पाता?
3. कवि के पिता की चार विशेषताएँ बताइए।
4. 'पिता जी को बुढ़ापा नहीं व्यापा'-आशय स्पष्ट करें।

उत्तर–

1. माँ के बारे में कवि बताता है कि वह दुखों में रची हुई है। वह निरक्षर है। वह बच्चों से बहुत स्नेह करती है।
2. कवि को माँ का पत्र इसलिए नहीं मिल पाता, क्योंकि वह अनपढ़ है। निरक्षर होने के कारण वह पत्र भी नहीं लिख सकती।
3. कवि के पिता की चार विशेषताएँ हैं-

(क) उन पर बुढ़ापे का प्रभाव नहीं है।
(ख) वे अत्यंत फुर्तीले हैं।
(ग) वे धार्मिक व्यक्ति हैं।
(घ) वे बहुत भावुक भी है।

4. कवि अपने पिता के विषय में बताता है कि वे सदैव हँसते रहते हैं, व्यायाम करते हैं। वे जिंदादिल हैं तथा मौत से नहीं घबराते। ये सभी लक्षण युवावस्था के हैं। अत: कवि के पिता जी पर बुढ़ापे का कोई असर नहीं है।

(3)आज गीता पाठ करके,
दंड दो सौ साठ करके,
खूब मुगदर हिला लेकर,
मूठ उनकी मिला लेकर,
जब कि नीचे आए होंगे,
नैन जल से छाए होंगे,
हाय, पानी गिर रहा है,
घर नजर में तिर रहा हैं,

चार भाई चार बहिनें
भुजा भाई प्यार बहिनें
खेलते या खड़े होंगे,
नजर उनकी पड़े होंगे।
पिता जी जिनको बुढ़ापा,
एक क्षण भी नहीं व्यापा,
रो पड़े होंगे बराबर,

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न-

1. कवि अपने पिता की दिनचर्या के बारे में क्या बताता है?
2. पिता की औँखें भीगने का क्या कारण रहा होगा?
3. कवि ने भाई-बहन के बारे में क्या बताया है?
4. कवि के पिता क्यों रोने लगे होंगे?

उत्तर–

1. कवि के पिता गीता का पाठ करते हैं तथा दो सौ साठ दंड लगाकर मुगदर हिलाते हैं। फलस्वरूप उनका शरीर मजबूत बन गया है तथा गीता पाठ के कारण मन साहसी हो गया है।
2. कवि के पिता गीता पाठ व व्यायाम करके नीचे आए होंगे तो उन्हें अपने छोटे पुत्र भवानी की याद आई होगी। वह उस समय जेल में था। इस वियोग के कारण उनकी आँखों में पानी आ गया होगा।
3. कवि ने बताया कि उसके चार भाई व चार बहनें हैं, जो इकट्ठे होकर खेलकूद करते हैं।
4. कवि के पिता ने जब सभी भाई-बहनों को खड़े या खेलते देखा होगा तो उन्हें पाँचवें पुत्र भवानी की याद आई होगी। वे उसका नाम लेकर रो पड़े होंगे।

*(4)*पाँचवाँ मैं हूँ अभागा,
जिसे सोने पर सुहागा,
पिता जी कहते रहे हैं,
प्यार में बहते रहे हैं,
आज उनके स्वर्ण बेटे,
लगे होंगे उन्हें हेटे,
क्योंकि मैं उन पर सुहागा
बंधा बैठा हूँ अभागा,

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न-

1. कवि स्वयं को क्या कहता है? तथा क्यों?
2. कवि स्वयं को अभागा क्यों कहता है?
3. पिताजी अपने पाँचों बेटों को क्या मानते हैं?
4. पिताजी को आज अपने बेटे हीन क्यों लग रहे होंगे?

उत्तर–

1. कवि स्वयं को अभागा कहता है, क्योंकि वह परिवार के सदस्यों-भाइयों, बहनों, और वृद्ध माता-पिता के सानिध्य से दूर है। उसे उनके प्यार की कमी खल रही है।
2. कवि स्वयं को इसलिए अभागा कहता है, क्योंकि वह जेल में बंद है। सावन के अवसर पर सारा परिवार इकट्ठा हुआ है और वह उनसे दूर है।
3. पिता अपने चार बेटों को सोने के समान तथा पाँचवें को सुहागा मानते हैं।
4. पिता अपने चार बेटों को सोने के समान मानते थे तथा पाँचवें को सुहागा। आज उनका पाँचवाँ बेटा जो उन्हें सबसे प्यारा लगता है, जेल में उनसे दूर बैठा है। अत: उसके बिना चारों बेटे उन्हें हीन लग रहे होंगे।

(5)और माँ ने कहा होगा,
दुख कितना बहा होगा,
आँख में किसलिए पानी
वहाँ अच्छा है भवानी
वह तुम्हारी मन समझकर,
और अपनापन समझकर,
गया है सो ठीक ही है,
यह तुम्हारी लीक ही है,
पाँव जो पीछे हटाता,
कोख को मेरी लजाता,
इस तरह होओ न कच्चे,
रो पड़गे और बच्चे,

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न-

1. माँ ने भवानी के पिता को क्या सांत्वना दी?
2. 'वह तुम्हारा मन समझकर"-का आशय स्पष्ट कीजिए।
3. माँ की कोख कवि के किस कार्य से-लज्जित होती?
4. 'यह तुम्हारी लीक ही है'-का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–

1. माँ ने भवानी के पिता को कहा कि भावुक होकर आँखें नम मत करो, वह जेल में ठीक है। भवानी तुम्हारी मन की बात समझकर ही आजादी की लड़ाई में कूदा है तथा तुम्हारी परंपरा का निर्वाह किया है। अत: दुख जताने की आवश्यकता नहीं है।
2. इसका अर्थ है कि भवानी के पिता देशभक्त थे। वह ब्रिटिश सत्ता को खत्म करना चाहते थे। इसी भाव को समझकर भवानी ने स्वाधीनता आंदोलन में भाग लिया।
3. यदि कवि देश के सम्मान व रक्षा के कार्य से अपने कदम पीछे हटा लेता तो माँ की कोख लजा जाती।
4. आशय है कि माँ पिता जी को समझाती है कि भवानी तुम्हारे ही आदर्शों पर चलकर जेल गया है। तुम भी भारतमाता को परतंत्र नहीं देख सकते हो। यह आपकी ही तो परंपरा है।

(क्रमशः .....)